कालीदास की रचनाओं में उपमा और प्रकृति वर्णन मोहक : नायर

नागपुर। 23 जनवरी। लोस सेवा

कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत परिषद का आयोजन सोमवार को किया गया. कार्यक्रम का आयोजन आमदार निवास के सभागृह में किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय व पाश्चिमात्य साहित्य के विश्लेषक डॉ. संध्या नायर ने कहा कि कालिदास श्रेष्ठ सौंदर्य कवि थे. उनकी अप्रतिम उपमा और प्रकृति वर्णन दूसरे कवियों की तुलना में मोहक हैं.

आमदार निवास में राष्ट्रीय संस्कृत परिषद के उद्घाटन अवसर पर विचार व्यक्त करतीं डॉ. संध्या नायर. मंच पर अन्य अतिथि.

कालिदास साहित्य का पिछले तीस वर्षों में अंग्रेजी भाषा में ईको क्रिटिसिजम, विल ब्रावून की थिंग थ्योरी, रिसेप्शन थ्योरी के संदर्भ में नए शोधार्थियों को अध्ययन करना चाहिए. उन्होंने आह्वान किया कि कालिदास साहित्य के नए आयामों का नव सिद्धांतों के परिप्रेक्ष्य में परामर्श युवा शोधार्थियों को करना चाहिए. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. उमा वैद्य ने की. इस दौरान विशेष अतिथि के रुप में मुक्त विवि केंद्र, राष्ट्रीय संस्कृत विवि नई दिल्ली के संचालक रमाकांत पांडे उपस्थित थे.

कुलसचिव डॉ. अरविंद जोशी, परिषद की समन्वयिका डॉ. नंदा पुरी, सहसमन्वयिका डॉ. कविता होले विशेष रुप से मंच पर उपस्थित थे. प्रास्ताविक भारतीय धर्म तत्वज्ञान ओर संस्कृति संकाय के अधिष्ठाता डॉ. मधुसूदन पेन्ना ने किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशेष अतिथि रमाकांड पांडे ने कहा कि संस्कृत भाषा उत्तम है, लेकिन हमें अन्य भाषाओं का आदर और भाषा के विकास के लिए शब्दों का आदान-प्रदान करना चाहिए.

कुलगुरु डॉ. उमा वैद्य ने कालिदास साहित्य के प्रचार-प्रसार और संस्कृत भाषा के पुनरुद्धार के आंदोलन को प्रेरणा देने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से परिषद आयोजित करने की बात कही. विश्वविद्यालय में कालिदास अध्ययन केंद्र बनाया जाना चाहिए.

संचालन पराग जोशी ने किया. आभार कलापिनी अगस्ती ने व्यक्त किया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के पूर्व संचालक बलदेवानंद सागर थे.